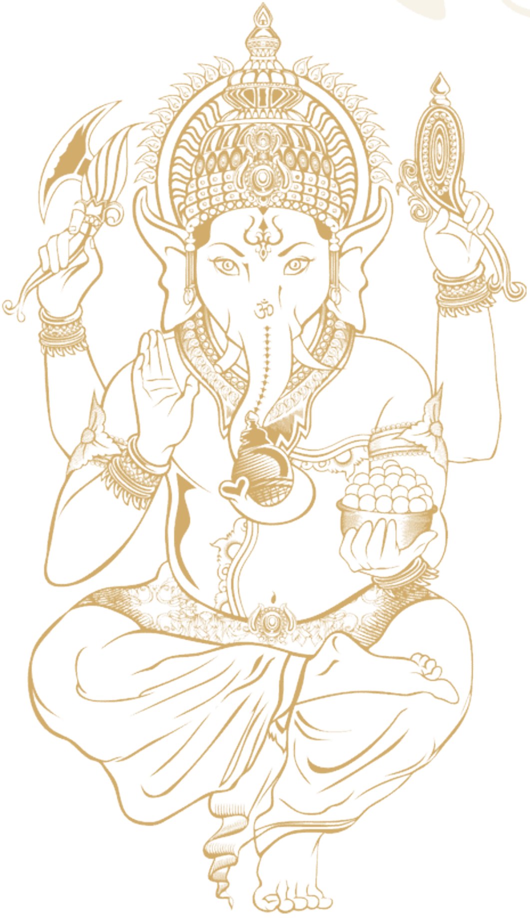

Omprakash soni

04 Sep 1996

08:45 AM

Durg

Model: web-freekundliweb

Order No: 121551204

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**04/09/1996**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**08:45:00 घंटे**
इष्ट	07:19:48 घटी
स्थान	**Durg**
राज्य	Chhattisgarh
देश	India

अक्षांश	21:12:00 उत्तर
रेखांश	81:20:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:04:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:40:20 घंटे
वेलान्तर	00:01:00 घंटे
साम्पातिक काल	07:34:26 घंटे
सूर्योदय	05:49:04 घंटे
सूर्यास्त	18:17:47 घंटे
दिनमान	12:28:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	18:03:29 सिंह
लग्न के अंश	28:06:52 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	हर्षण
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरुड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ओ-ओमप्रकाश
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	28:06:52	332:12:16	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	---
सूर्य			सिंह	18:03:29	00:58:09	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	मूलत्रिकोण
चंद्र			वृष	10:27:35	12:34:34	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	मूलत्रिकोण
मंगल			कर्क	02:35:42	00:38:01	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	नीच राशि
बुध			कन्या	09:40:37	00:00:38	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	उच्च राशि
गुरु			धनु	14:00:32	00:00:06	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	स्वराशि
शुक्र			कर्क	02:56:05	01:02:59	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	11:50:36	00:04:03	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
राहु			कन्या	14:30:21	00:00:59	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	14:30:21	00:00:59	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	07:20:27	00:01:37	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
नेप	व		मक	01:26:35	00:00:59	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	06:41:30	00:00:49	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			मिथु	28:02:23	--	पुनर्वसु	--	7	बुध	गुरु	शुक्र	--

व - वक्री   स - स्थिर

अ - अस्त   पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:42

लग्न-चलित

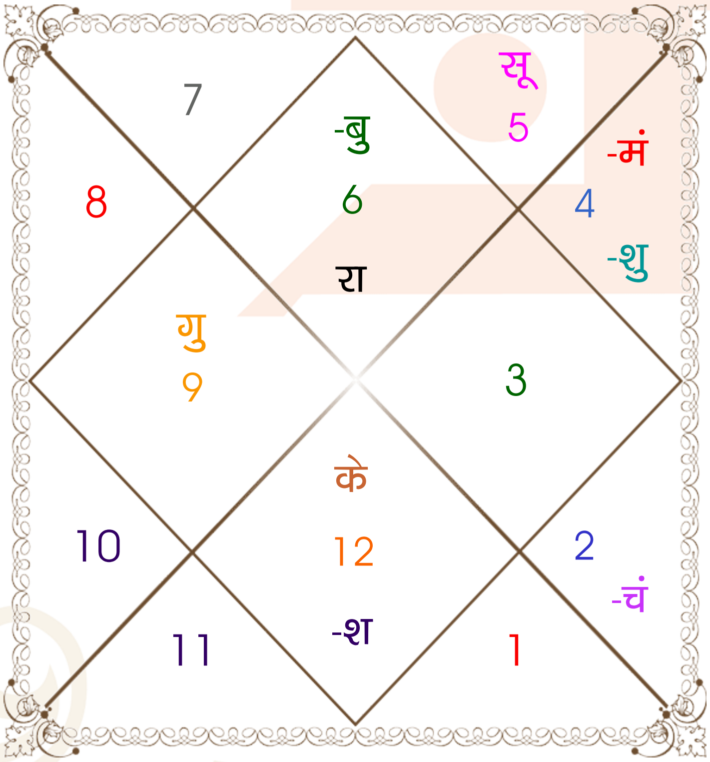

चन्द्र कुंडली

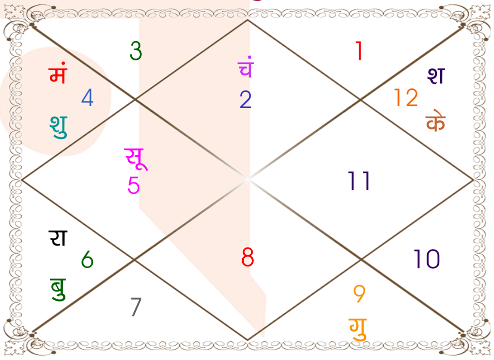

नवमांश कुंडली

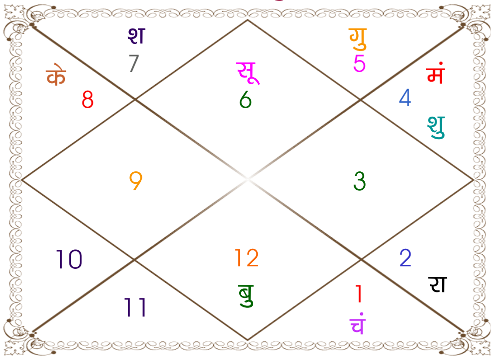

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 9 वर्ष 7 मास 26 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
04/09/1996		**01/05/2006**		**01/05/2013**		**02/05/2031**		**02/05/2047**	
01/05/2006		**01/05/2013**		**02/05/2031**		**02/05/2047**		**01/05/2066**	
चंद्र	01/03/1997	मंगल	28/09/2006	राहु	12/01/2016	गुरु	19/06/2033	शनि	04/05/2050
मंगल	30/09/1997	राहु	16/10/2007	गुरु	07/06/2018	शनि	31/12/2035	बुध	12/01/2053
राहु	01/04/1999	गुरु	21/09/2008	शनि	13/04/2021	बुध	07/04/2038	केतु	20/02/2054
गुरु	31/07/2000	शनि	31/10/2009	बुध	31/10/2023	केतु	14/03/2039	शुक्र	22/04/2057
शनि	02/03/2002	बुध	28/10/2010	केतु	18/11/2024	शुक्र	12/11/2041	सूर्य	04/04/2058
बुध	01/08/2003	केतु	26/03/2011	शुक्र	19/11/2027	सूर्य	31/08/2042	चंद्र	03/11/2059
केतु	01/03/2004	शुक्र	25/05/2012	सूर्य	12/10/2028	चंद्र	31/12/2043	मंगल	12/12/2060
शुक्र	31/10/2005	सूर्य	30/09/2012	चंद्र	13/04/2030	मंगल	06/12/2044	राहु	19/10/2063
सूर्य	01/05/2006	चंद्र	01/05/2013	मंगल	02/05/2031	राहु	02/05/2047	गुरु	01/05/2066

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
01/05/2066		**02/05/2083**		**01/05/2090**		**02/05/2110**		**02/05/2116**	
02/05/2083		**01/05/2090**		**02/05/2110**		**02/05/2116**		**00/00/0000**	
बुध	27/09/2068	केतु	28/09/2083	शुक्र	31/08/2093	सूर्य	20/08/2110	चंद्र	05/09/2116
केतु	24/09/2069	शुक्र	27/11/2084	सूर्य	31/08/2094	चंद्र	19/02/2111		00/00/0000
शुक्र	25/07/2072	सूर्य	04/04/2085	चंद्र	01/05/2096	मंगल	26/06/2111		00/00/0000
सूर्य	01/06/2073	चंद्र	03/11/2085	मंगल	01/07/2097	राहु	20/05/2112		00/00/0000
चंद्र	31/10/2074	मंगल	01/04/2086	राहु	02/07/2100	गुरु	08/03/2113		00/00/0000
मंगल	28/10/2075	राहु	20/04/2087	गुरु	03/03/2103	शनि	18/02/2114		00/00/0000
राहु	17/05/2078	गुरु	25/03/2088	शनि	02/05/2106	बुध	26/12/2114		00/00/0000
गुरु	22/08/2080	शनि	04/05/2089	बुध	02/03/2109	केतु	03/05/2115		00/00/0000
शनि	02/05/2083	बुध	01/05/2090	केतु	02/05/2110	शुक्र	02/05/2116		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 9 वर्ष 7 मा 27 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। लग्नोदय के साथ-साथ कन्या का नवमांश एवं वृषम लग्न का भी उदय आपके जन्मकाल ही हुआ था। कन्या तथा वृष राशि के संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि यह सभी संयोग आपके अनुकूल है। आपके जन्म का प्रभाव यह भी निश्चित करता है कि आपकी अभिलाषा के अनुरूप आपका जीवन आरामदेह, फलदायी एवं आनन्द प्रियता के साथ व्यतीत हो सकता है।

आपका व्यक्तित्व आकर्षक है। आपकी उन्नत और चौड़ी ललाट तथा प्रभावशाली आंखे आपको सुव्यवस्थित बनाएगा तथा आपके सम्पर्क में आनेवाले सभी प्राणी आपको एवं आपके व्यक्तित्व को पसंद करंगे।

आप व्यक्तिगत रूप से साहसी एवं व्यवहारिक प्राणी है। आप शक्ति संपन्न तथा सामुदायिक भावना के प्राणी हैं। आप किसी भी प्रकार के आयोजनों का दायित्व ग्रहण कर, उस कार्यक्रम अर्थात् योजना को पूर्ण सफल बना सकते हैं। आप में इतनी क्षमता विद्यमान है कि आप बड़ी उपलब्धि प्राप्त करेंगे, परन्तु आप किसी भी वस्तु को सुरक्षित रखने के योग्य नहीं हैं क्योंकि आप मात्र एक अति शक्ति सम्पन्न व्यक्ति ही नहीं बल्कि आप महान खर्चीला अर्थात् धन को (नाश) अपव्यय करने वालें प्राणी हैं। आप सदैव प्रभावशाली तरीके से किसी भी आयोजनों में सम्मिलित होकर मुफ्त में विशिष्टता प्राप्त करते हो। आप स्वयं के लिए तथा अपने परिवारिक सदस्यों के लिए अपने ढंग से वस्त्राभूषणादि पर बहुत खर्च करोगे। सम्प्रति आप ऐसा चाहते है कि हर परिस्थिति में अधिक से अधिक बहुत व्यय करें जो सामान्य जीवन के लिए उपयुक्त हैं।

तथापि आपमें एक छोटी सी नकारात्मक भावना विद्यमान है तथा यदा कदा आप सहजता पूर्वक इसे सहज समझ लेते हो। जब इस के संबंध में सावधानी बरतना अपेक्षित हो जाता है तो इस विषय को स्थगित कर देते हैं। आपको अपनी अकर्मण्यता वाली मुद्रा का परित्याग करना होगा। तब ही आप अपने कार्य व्यवसाय के संबंध में एकाग्रता प्राप्त कर सकेंगे। यह आपके लिए उच्चतम लाभजनक स्थिति प्रमाणित होगी। विशेषतः आपके जीवन का 33 वें से 38 वें वर्ष तक आप सफलता की पराकाष्ठा तक पहुंच सकते हैं।

आप उच्चकोटि के धार्मिक प्राणी हैं। आप पराविज्ञान एवं ज्योतिष विज्ञान का ज्ञान प्राप्त करने के प्रति रूचिवान तथा आकर्षित है। आपकी धारणा परोपकारी कार्य के सम्पादन संबंध में तथा पिछड़े लोगों तथा दुर्बल श्रेणी के व्यक्तियों को मदद करने की रहती है।

आपके संबंध में गम्भीर रूप से विचारणीय है कि आप समसामयिकी अनुकूल व्यंग विनोद प्रिय वार्त्तालाप करके जन सामान्य के द्वारा उच्च मूल्यांकित किए जाते हैं। अर्थोपार्जन के लिए आप निश्चित दिशा सुनिश्चित कर चुके हैं। आप सदैव अपनी पत्नी एवं सन्तान से युक्त सुखद घरेलू जीवन का आनन्द प्राप्त करेंगे।

आपके लिए उपयुक्त व्यवसायों में अच्छी प्रकार व्यवहारणीय धन्धा यथा खेल-कूद

की सामग्री, मोटर पार्ट्स के अतिरिक्त पार्ट्स का व्यवसाय करना उत्तम होगा। पार्टनरशिप के व्यवसाय हेतु बुद्धिमान व्यक्ति के साथ संबंधित होकर वस्त्र विक्रय तथा आभूषण रत्नादि का धन्धा भी अनुकूल हो सकता है। यदि आप कोई नौकरी करना चाहते हैं तो चिकित्सक, अभियंता, वैज्ञानिक एवं रत्नाकर की सेवा धन्धा प्रारंभ कर सकते हैं।

आपका स्वास्थ्य निःसन्देह अति उत्तम रहेगा। परन्तु कुछ वर्षों के पश्चात् शरीर का वाह्य सतह अन्य प्रकार के रोगादि से प्रभावित हो सकता हैं। आप किडनी या मूत्रासय रोग से भी ग्रसित न होवें। अस्तु इन संभावित रोगादि के प्रकोप से सर्तक रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली रंग पीला, सफेद, सूआपंखी एवं हरा रंग उत्तम है। इसके अतिरिक्त रंग लाल, काला एवं नीला रंग त्याजनीय है। आपके लिए अंकों में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक आपके लिए लाभप्रद है। परन्तु अंक 1 एवं 8 अंक हानिकारक है।